पी.जी.डी.आई.बी.ओ

अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय प्रचालन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पी.जी.डी.आई.बी.ओ)

सत्रीय कार्य

2013–14

प्रबंध अध्ययन विद्यापीठ
इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली – **1100 68**

सत्रीय कार्य – 2013–14

प्रिय छात्र/छात्राओं,

जैसा कि कार्यक्रम दर्शिका में स्पष्ट किया गया है, इस कार्यक्रम में आपको प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए एक सत्रीय कार्य करना है। सभी सत्रीय कार्य आपको एक साथ भेजे जा रहे हैं।

अंतिम परीक्षा में सत्रीय कार्य के लिए 30 अंक निर्धारित हैं। सत्रांत परीक्षा में बैठने योग्य होने के लिए यह आवश्यक है कि समय सूची के अनुसार आप इन सत्रीय कार्यों को पूरा करके भेज दें। सत्रीय कार्य को करने से पहले आपको चाहिए कि कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ लें, जिसे आपके पास अलग से भेजा गया है।

यह सत्रीय कार्य दो प्रवेश सत्र अर्थात् **(जनवरी 2013 और जुलाई 2013)** के लिए वैध है, इसकी वैधता निम्नलिखित है :–

1. जो **जनवरी 2013** में पंजीकृत है उनकी वैधता **दिसंबर 2013** है।

2. जो **जूलाई 2013** में पंजीकृत है उनकी वैधता **जून 2014** तक है।

यदि आप जून सत्रांत परीक्षा में बैठना चाहते हैं तो इन्हें **25 मार्च** तक अवश्य जमा कर दें। यदि आप दिसम्बर सत्रांत परीक्षा में बैठना चाहते हैं तो आपके लिए आवश्यक है कि आप इन्हें **15 सितम्बर** तक अध्ययन केंद्र के संयोजक के पास जमा कर दें।

नोट : यदि आपको अध्ययन सामग्री और सत्रीय कार्य देर से मिलते हैं तो आप सामग्री मिलने के बाद एक मास तक सत्रीय कार्य के उत्तर को जमा कर सकते हैं।

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम का कोड	:	**आई. बी.ओ. – 01**
पाठ्यक्रम का शीर्षक	:	**अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय परिवेश**
सत्रीय कार्य का कोड	:	**आई.बी.ओ.-01/टी.एम.ए./2013–14**
खण्डों की संख्या	:	**सभी खण्ड**

अधिकतम अंक : 100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय परिवेश का अर्थ स्पष्ट कीजिए। उन चार प्रमुख घटकों का संक्षिप्त वर्णन कीजिए जो विदेशी पर्यावरण में प्रमुख भूमिका निभाते हैं। (5+15)

2. वैश्विकरण सिद्धान्त को स्पष्ट कीजिए। उन कारकों का विवेचन कीजिए जिनके कारण वैश्विकरण आंदोलन को बल मिला। (5+15)

3. (क) वैश्विक अर्थव्यवस्था को संगठित करने में WTO की भूमिका का वर्णन कीजिए।
   (ख) उरुग्वे वार्ता समझौते के प्रमुख उद्देश्यों का वर्णन कीजिए। (10+10)

4. निम्नलिखित में अंतर स्पष्ट कीजिए।

   (क) सूक्ष्म एंव वृहत परिवेश
   (ख) चालू खाता एवं पूंजी खाता
   (ग) औपचारिक अनुबंध एवं साधारण अनुबंध
   (ध) उपयोगितावाद तथा औपचारिकतावाद (4x5)

5. निम्नलिखित पर टिप्पणियाँ लिखिएः

   (क) FDI
   (ख) TNCs
   (क) अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में नैतिक मुद्दे
   (ख) इंटरनेट सेवाएं (4x5)

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम का कोड	:	**आई. बी.ओ. – 02**
पाठ्यक्रम का शीर्षक	:	**अंतर्राष्ट्रीय विपणन प्रबंधन**
सत्रीय कार्य का कोड	:	**आई.बी.ओ.-02/टी.एम.ए./2013–14**
खण्डों की संख्या	:	**सभी खण्ड**

अधिकतम अंक : 100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

1. विपणन के उन पांच विभिन्न दर्शन की व्याख्या कीजिए जिन पर आधारित रहकर विभिन्न व्यापारिक संस्थायें अपने कार्य करती हैं। (20)

2. अंतराष्ट्रीय बाज़ार विभक्तिकरण क्या है? अंतराष्ट्रीय बाजार विभक्तिकरण के विभिन्न आधार क्या हैं? (20)

3. (क) अंतराष्ट्रीय बाजार में मूल्य निर्घारण को प्रभावित करने वाले कारकों की व्याख्या कीजिये।
   (ख) पैकेजिंग निर्णय को प्रभावित करने वाले घटकों की विवेचना कीजिये। (10+10)

4. निम्नलिखित में अन्तर स्पष्ट कीजिएः
   (क) घरेलु एवं अंतर्राष्ट्रीय विपणन सम्प्रेषण
   (ख) विज्ञापन एवं प्रचार (10+10)

5. निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिएः
   (क) सेवाओं के अंतर्राष्ट्रीय विपणन की बाधाएं
   (ख) अंतर्राष्ट्रीय विपणन शोध प्रक्रिया
   (ग) द्वितीयक डेटा के लाभ और सीमायें
   (घ) रिपोर्ट लेखन (लिखना) (4x5)

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम का कोड	:	**आई. बी.ओ. – 03**
पाठ्यक्रम का शीर्षक	:	**भारत का विदेशी व्यापार**
सत्रीय कार्य का कोड	:	**आई.बी.ओ.-03/टी.एम.ए./2013–14**
खण्डों की संख्या	:	**सभी खण्ड**

अधिकतम अंक : 100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

1. भुगतान शेष का क्या अर्थ है? चालू तथा पूंजी खातों मे क्या अन्तर है? भारत के भुगतान शेष की मुख्य विशेषताओं का वर्णन कीजिए। (5+5+10)

2. भारत सरकार द्वारा निर्यात संवर्धन हेतु किए गए उपायों की विवेचना कीजिए। ऐसे किन्हीं दो कारकों का वर्णन कीजिए जो विदेश में भारत की अच्छी छवि बनाने में बाधक हैं। (10+10)

3. यदि आप रत्न और आभूषणों के निर्यातक हैं तो अपने व्यापार को बढ़ाने के लिए आप कौन से उपाय करेगें?वर्णन कीजिए (20)

4. निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिएः
   (क) स्वाट (SWOT) विश्लेषण
   (ख) पारम्परिक सेवाएं (10+10)

5. निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणी कीजिएः
   (क) भारत वैश्विक विपणक की भूमिका अदा नहीं कर सका।
   (ख) औद्योगिकी आर्थिक वृद्धि का एक महत्वपूर्ण अवयव है।
   (ग) भारत जापान की सहायता से वी एच टी (VHT) सुविधाएं स्थापित कर रहा है।
   (घ) बहराइन ने अपनी पेट्रोल–आधारित आर्थिक व्यवस्था को उससे आगे ले जाने का प्रयत्न किया है। (4x5)

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम का कोड	:	**आई. बी.ओ. – 04**
पाठ्यक्रम का शीर्षक	:	**निर्यात–आयत प्रक्रिया और प्रलेखीकरण**
सत्रीय कार्य का कोड	:	**आई.बी.ओ.-04/टी.एम.ए./2013–14**
खण्डों की संख्या	:	**सभी खण्ड**

अधिकतम अंक : 100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

1. ''निर्यात–आयात व्यापार में लगे लोग प्रलेखों का लेन–देन करते हैं न कि माल का'' इस कथन की आलोचनात्मक व्याख्या कीजिए। (20)

2. पोत–लदानोत्तर वित्त से क्या तात्पर्य है? पोत–लदानोत्तर वित्त की विभिन्न पद्धतियों का वर्णन कीजिए। (20)

3. निम्नलिखित पर टिप्पणी कीजिएः
   (क) ''साख अन्तर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता का मुकाबला करने का एक प्रमुख हथियार है लेकिन इसमें जोखिम भी है''।
   (ख) ''निर्यात प्रोत्साहन अब एक सर्वव्यापी प्रथा बन गई है''। (10+10)

4. निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिएः
   (क) निर्यात संवर्धन परिषदें तथा वस्तु बोर्ड
   (ख) शुल्क–मुक्त/परिहार योजनाएं (10+10)

5. निम्नलिखित में अन्तर स्पष्ट कीजिएः
   (क) लाइनर जहाजी सेवाएं एवम् ट्रैम्प जहाजी सेवाएं
   (ख) यात्रा चार्टर एवम समय चार्टर (10+10)

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम का कोड	:	**आई. बी.ओ. – 05**
पाठ्यक्रम का षीर्षक	:	**अंतर्राष्ट्रीय विपणन लॉजिस्टिक्स**
सत्रीय कार्य का कोड	:	**आई.बी.ओ.-05/टी.एम.ए./2013–14**
खण्डों की संख्या	:	**सभी खण्ड**

अधिकतम अंक : 100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

1. (क) शिपरों की समस्याओं के समाधान के लिए संस्थागत व्यवस्थाओं से आप क्या समझते हैं। विस्तार से वर्णन कीजिए।
   (ख) बंदरगाहों का निजीकरण बंदरगाहों की आधारिक संरचना में तेजी से विकास के लिए आवश्यक समझा जाता है। विवेचना कीजिए। (10 +10)

2. लाइनर भाड़ा दरों को प्रभावित करने वाले आधार सिद्धान्तों और कारकों की चर्चा कीजिए। साथ ही ब्रेक बल्क कार्गो के सम्बन्ध में भुगतान की जाने वाली अन्तिम भाड़े को निकालने के लिए आधार भाड़ा दर में जोड़े जाने वाले विभिन्न तत्वों का विशेष उल्लेख कीजिए। (20)

3. निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

   (क) संयुक्त उपक्रम
   (ख) अग्नि सेतु–बंधन
   (ग) निर्यात आर्डर
   (घ) बहुमॉडल परिवहन (4x5)

4. निम्नलिखित में अंतर बताइएः

   (क) घरेलू तथा अंर्तराष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स
   (ख) कुल लागत अवधारणा तथा कुल प्रणाली अवधारणा
   (ग) फ्री इन ग्रस ऑऊट और ग्रास इन फ्री आऊट
   (घ) एम.टी.ओ. तथा एम.टी.डी. (4x5)

5. निम्नलिखित पर टिप्पणी कीजिए।

   (क) कोई फर्म अपनी अच्छी सेवाओं और सस्ते दाम पर वस्तु को उपलब्ध करा कर आकर्षित कर सकता है।
   (ख) टैंक कंन्टेनर का प्रयोग शुष्क बल्क कार्गो के लिये होता है।
   (ग) वाणिज्य के रुप मे 'लदान बिल' एक परक्रम्य प्रपत्र है।
   (घ) समुद्रपार के कार्गो को केवल बड़े बंदरगाहों पर चढ़ाया–उतारा जाता है। (4x5)

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम का कोड	:	**आई. बी.ओ. – 06**
पाठ्यक्रम का शीर्षक	:	**अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय वित्त**
सत्रीय कार्य का कोड	:	**आई.बी.ओ.-06/टी.एम.ए./2013–14**
खण्डों की संख्या	:	**सभी खण्ड**

अधिकतम अंक : 100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

1. (क) ब्रेटेन वुड्स प्रणाली के अंतर्गत संपूर्ण अंतर्राष्ट्रीय मौद्रिक प्रणाली को यू. एस. भुगतान शेष स्थिति ने किस प्रकार प्रभावित किया?
   (ख) धरेलू व विदेशी वित्तीय बाजारों में कौन से जोखिम होते हैं? (12+8)

2. (क) केन्द्रिय बैंकों ने लोचपूर्ण विनिमय प्रणाली के अंर्तगत विदेशी विनिमय बाजार में क्यों हस्तक्षेप किया है?
   (ख) मुद्रा विकल्पें वायदा अनुबन्ध से किस प्रकार भिन्न हैं? (10+10)

3. (क) बहुराष्ट्रीय कारपोरेशन के केन्द्रीकृत रोकड़ प्रबन्ध प्रचालनों का आलोचनात्मक विशलेषण कीजिए।
   (ख) अंतरण मूल्यनिर्धारण तकनीक की उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए। बहुराष्ट्रीय कारपोरेशन इस तकनीक का क्यों उपयोग करती हैं? (10+10)

4. (क) भुगतान शेष स्थिति किस प्रकार घरेलू आर्थिक कार्यकलापों को प्रभावित करती है?
   (ख) साख पत्र क्या होता है? यह किस प्रकार आयातक व निर्यातक के हित की सुरक्षा करता है? (10+10)

5. निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए:
   (क) समायोजित वर्तमान मूल्य तकनीक
   (ख) आर्थिक एक्सपोजर (10+10)